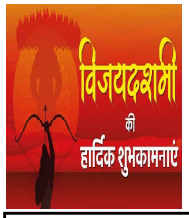

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 80 शनिवार 12 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

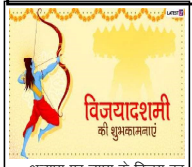

अन्याय पर न्याय के विजय का पर्व विजयादशमी की हार्दिक शुभकामना। — सम्पादक

अवकाश

विजयादशमी पर्व पर भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय 12 अक्टूबर को बंद रहेगा। आगामी अंक 14 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

—व्यवस्थापक

एक नजर

मां दुर्गा मंदिरों पर उमड़ी आस्था

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शारदीय नवरात्र पर्व पर महाअष्टमी और नवमी पर श्रद्धालुओं ने देवी–मंदिरों में पहुंचकर विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर मन्नतें मांगी। महाअष्टी पर्व पर देवीभक्तों ने महागौरी की पूजा की और उसके बाद नवमी पर्व पर व्रतियों ने हवन–पूजन कर मां से आशीर्वाद मांगा। सुबह से देवी मंदिरों में हवन–पूजन के लिए भक्त उमड़ पड़े थे। आवास विकास काली मंदिर और गायत्री मंदिर रोडवेज पर अधिक भीड़ दिखी। यहां क्रमवार श्रद्धालु हवन–पूजन के लिए बैठे दिखे। लंबी प्रतीक्षा के बाद हवन करने की बारी आई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां काली की आराधना की और माला, फूल अर्पित किया। भक्तों ने नारियल–चुनरी भी चढ़ाया। जलाभिषेक कर धूप–बत्ती व कपूर जलाकर पूजा–अर्चन कर श्रद्धालुओं ने व्रत पूरा किया।

वहीं देवी मां के अन्य मंदिर काली माता मंदिर स्टेशन रोड, केडीसी दुर्गा मंदिर, डारीडीहा, बैडवा समय माता, श्रृंगीनारी आदि क्षेत्र में श्रद्धालु उमड़े रहे। देवी पंडालों में भी भक्त पूजन–अर्चन के लिए उमड़े रहे। घंट–घड़ियाल के माहौल भक्तिमय रहा।

दो सगे भाईयों को तीन वर्ष का कारावास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। एसीजेएम प्रथम चौधरी संदीप सिंह की अदालत ने घर में घुसकर मारने–पीटने के मामले में दो सगे भाइयों को तीन वर्ष साधारण कारावास व प्रत्येक को छह हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न अदा करने पर 15 दिन अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन अधिकारी ने बताया कि महुली थानाक्षेत्र के पिकौरा गांव निवासी वादी मुकदमा रामगोपाल सिंह व पिपक्षी भगौती सिंह के बीच बाग को लेकर गोरखपुर में मुकदमा चल रहा है। आठ मई 1988 को रामगोपाल आवश्यक कार्य से नाथनगर गया था। वादी मुकदमा की पत्नी व बच्चे अपने बाग में आम बीनने के लिए करीब छह बजे सुबह गए थे। उतने में ही भगौती सिंह लाठी लेकर बाग में गए। आम बीनने से मना करने लगे। न मानने पर लाठी से मारने लगे और अपशब्द कहा। बच्चे व पत्नी भागकर घर में चले आए। उतने में भगौती सिंह के लड़के रामसहाय सिंह, देवसहाय सिंह व भगौती सिंह उनके घर पर चढ़ आए। घर में घुस गये और मारने के बाद घसीटकर बाहर ले आए। पत्नी के सिर पर फरसे से प्राणघातक हमला किया, जिससे उसका सिर फट गया। बेटी को देवसहाय सिंह ने बल्लम से मारा। इसी बीच गांव के रामफेर सिंह व राजमन सिंह ने मौके पर पहुंचकर उनकी जान बचाई।

बाद में गांव के बहुत से लोग पहुंच गए थे। थाने पर तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके पुलिस ने तीनों के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। दौरान मुकदमा भगवती सिंह की मौत हो गई। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद रामसहाय व देवसहाय को घर में घुसकर मारने–पीटने के आरोप में दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

भाजपा का दावाः राहुल गांधी से छिनेगा नेता प्रतिपक्ष का पद

नई दिल्ली (आभा)। बीजेपी ने शुक्रवार को दावा किया है कि इण्डिया गठबंधन विपक्ष के नेता के पद पर राहुल गांधी की जगह दूसरे नेता को बैठाने के लिए मंथन कर रही है। बीजेपी ने कहा है कि अगर गठबंधन को लगता है कि राहुल गांधी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो

उन्हें यह बदलाव जरूर करना चाहिए। शुक्रवार को नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि विपक्षी दलों के अंदर कई सक्षम नेता हैं जो विपक्ष के नेता की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फैसला गठबंधन को ही लेना चाहिए क्योंकि यह इंडिया ब्लॉक का आंतरिक मामला है।बीजेपी के दावे के बारे में इण्डिया अलायंस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक कम से कम 10 प्रतिशत सीटों के साथ सबसे बड़े विपक्षी दल के सांसद को ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। सदन में कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने की वजह से राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है।

सहकारी गन्ना समिति मुण्डेरवा में पांच प्रत्याशियों के निर्वाचन पत्र खारिज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सहकारी गन्ना समिति लिमिटेड मुण्डेरवा में प्रबंध कमेटी के चल रहे चुनाव में पांच प्रत्याशियों के निर्वाचन पत्र शुक्रवार को खारिज कर दिए गए। सभी प्रत्याशियों के पास तीन वर्ष तक सप्लाई न होने के कारण निर्वाचन निरस्त किया गया है। जिससे कई प्रत्याशी निर्विरोध प्रबंध कमेटी के सदस्य निर्वाचित हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार कोपे अनीता पत्नी रामकेश, जगदीशपुर उर्फ लहुरादेवा प्रेमचंद पुत्र विंध्याचल, मेहडा योगेंद्र सिंह पुत्र परमहंस सिंह, मंगेरा से हृदय राम पुत्र जगराम का निर्वाचन आपत्तियों के चलते जमीन और सप्लाई न होने के कारण निरस्त कर दिया गया। उपरोक्त लोगों के निर्वाचन के विरुद्ध कतिपय पर लोगों द्वारा आपत्ति की गई थी। आपत्तियों के क्रम में निर्वाचन निरस्त होने से जिससे कई जगह निर्विरोध प्रबंध कमेटी के सदस्य चुने गए। वर्तमान समय में जगदीशपुर उर्फ लहुरादेवा में तीन प्रत्याशी, मेहड़ा में चार प्रत्याशी, बुद्धा कला में चार प्रत्याशी की दावेदारी है जबकि अभी नाम वापसी का समय बचा हुआ है। निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश पाण्डेय ने बताया सभी आपत्तियों का अवलोकन करने के बाद निर्वाचन निरस्त किए गए हैं। अध्यक्ष पद के दावेदार दीवान चंद पटेल का आरोप है कि निर्वाचन अधिकारी निष्पक्ष चुनाव कराए अन्यथा की स्थिति में भाकियू चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा लोहरौली उर्फ राजापुर सरैया निर्वाचन के मामले में आपत्ति की गई किंतु उन आपत्तियों को खारिज कर दिया गया उन्होंने पुनः नए सिरे से आपत्तियों पर विचार करने की मांग की है।

आधार कार्ड बनवाने, संशोधन प्रक्रिया को सहज बनाने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर आधार कार्ड त्रुटि संशोधन के समस्याओं को देखते हुए आधार संशोधन हेतु प्रदेश के समस्त जनसेवा केन्द्रों को अनुमति दिये जाने का आग्रह किया है।

—पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप ने कहा है कि आधार कार्ड संशोधन हेतु सरकार द्वारा डाक विभाग और कुछ बैंको को अनुमति दिया गया। डाकघरों और बैंकों पर आधार त्रुटि सही कराने वाले लोगों की संख्या ज्यादा होने कारण लोग लाईन में लगते–लगते सुबह से रात हो जा रही है। प्रतिदिन प्रदेश में आधार संशोधन करने वाले डाक केन्द्रों पर 200–300 लोगों की भीड़ हो रही है जिसमें मात्र 50–100 लोगों के ही आधार कार्ड संशोधन का कार्य कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। इस कारण से सैकड़ों लोगों को पूरा दिन लाईन में लगने के बाद भी बिना आधार संशोधन कराये घर वापस लौटना पड़ रहा है। इससे लोगो कें काफी रोष व्याप्त है। आमजमानस का कहना है कि आधार कार्ड में संशोधन का कार्य पहले सहज जनसेवा केन्द्र व आधार संसोधन केन्द्रों पर आसानी हो जाता था लेकिन जब से यह कार्य डाकघरों व कुछ बैंको को दिया गया है तभी से आम जनमानस को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आधार कार्ड में संशोधन न हो पाने के कारण सरकार के द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनओं का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर लोगों नहीं मिल पा रहा है। इस स्थिति में आधार कार्ड संशोधन की अनुमित जनसेवा केन्द्रों को दिया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उन्होने आग्रह किया है कि आधार कार्ड बनाने और उसके संशोधन की प्रकिया को सहज व सुलभ बनाया जाय जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

विजयादशमी पर छात्रों ने दिया मनमोहक प्रस्तुति

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। यूरो किड्स प्री स्कूल पचपेड़िया रोड बस्ती में बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस में डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया साथ ही नवरात्रि में कन्या पूजन और मां दुर्गा पूजन और आरती का कार्यक्रम भी किया गया।जिसमें डांडिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से सभी मंत्र मुग्ध हो गए। बाल कलाकारों ने सभी को अपनी प्रस्तुति के द्वारा बांधे रखा।

कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय के प्रबंधक अमर मणि पाण्डेय एवं अर्चना पाण्डेय ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना,और आरती के उपरांत कन्या पूजन किया और प्रेम के साथ भोजन कराया और उचित उपहार देकर विदाई की। साथ ही बुराई पर अच्छाई के जीत का समारोह दशहरा की सभी को शुभकामना दी। श्रीमती दिव्या पाठक मां दुर्गा के महिमा के बारे में बच्चो को बताया गया।

मुख्य रूप नीलम चौधरी ,के.बी. सर लक्ष्मी वर्मा, रीचिका सिंह ,अविनाश पाण्डेय, रामाशीष चौधरी, पूजा शुक्ला, अंकिता श्रीवास्तव, संजू सिंह, संस्कृति श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता,रिया सिंह , प्रिया श्रीवास्तव, आराध्या सिंह, अवनी गुप्ता, दिव्या जायसवाल,सिद्रा फातिमा उपस्थित रही।

समिति के चुनाव में मनमानी का आरोपः डीएम से हस्तक्षेप की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड बस्ती के निर्वाचित प्रतिनिधि एवं पूर्व संचालक सतीश चन्द्र सिंह ने निर्वाचन अधिकारी को पत्र देकर कहा है कि प्रदीप सिंह, शिवेश सिंह, सुकुम सेन सिंह का नामांकन अवैध घोषित कर उसे नियमानुसार निरस्त किया जाय।

पत्र में सतीश चन्द्र सिंह ने कहा है कि प्रदीप सिंह, शिवेश सिंह, सुकुम सेन सिंह द्वारा पिछले तीन वर्षो से लगातार गन्ना समिति के द्वारा चीनी मिल को गन्ने की आपूर्ति नहीं दिया है। गन्ना एवं चीनी मिल निबन्धक के निर्देश में इसका स्पष्ट उल्लेख है और समिति के नियमावली में भी है। निर्वाचन अधिकारी ने शिकायत पर कोई प्रभावी पहल नहीं किया जो मानक के विरूद्ध है। अनेक मामलों में निर्वाचन अधिकारी द्वारा व्यापक मनमानी की गई है जिसकी जांच और अपेक्षित कार्यवाही आवश्यक है। उन्होने जिलाधिकारी से आग्रह किया है प्रकरण में तत्काल कार्रवाई कराया जाय अन्यथा की स्थिति में वे सक्षम न्यायालय में जाने को बाध्य होंगे।

जयन्ती पर समाजवादियों ने किया जय प्रकाश नारायण को नमन्

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को प्रखर समाजवादी स्वर्गीय जय प्रकाश नारायण को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि जेपी बाबू के नाम से लोकप्रिय जयप्रकाश ने देश को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने का सच्चा प्रयास किया, जिसमें वह पूरी तरह से सफल रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय जनमानस पर अपना अमिट छाप छोड़ी है। जयप्रकाश जी का समाजवाद का नारा आज भी गूँज रहा है। समाजवाद का सम्बन्ध न केवल उनके राजनीतिक जीवन से था, अपितु यह उनके सम्पूर्ण जीवन में समाया हुआ था। कहा कि जयप्रकाश नारायण की जयंती पर शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की निर्धारित यात्रा से पहले जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को सील कर दिये जाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। हम समाजवादी इसकी कड़े शब्दों में निन्दा करते है।

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि देश को आजाद कराने हेतु जय प्रकाश जी ने तरह–तरह की परेशानियों को झेला किन्तु उन्होंने

-जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र सील किये जाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण- महेन्द्रनाथ यादव

अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके, वे दृढ़निश्चयी व्यक्ति थे। संघर्ष के इसी दौर में उनकी पत्नी भी गिरफ्तार कर ली गईं और उन्हें दो वर्ष की सजा हुई, वह भी स्वतंत्रता आंदोलन में कूदी थीं और जनप्रिय नेता बन चुकी थीं। जयप्रकाश जी अपनी निष्ठा और चतुराई के लिए प्रसिद्ध थे, वे सच्चे देशभक्त एवं ईमानदार नेता थे।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी आदि ने जे.पी. बाबू को नमन् करते हुये कहा कि महज 18 साल की उम्र में 1920 में जेपी का विवाह ब्रज किशोर प्रसाद की बेटी प्रभावती से हुआ। कुछ साल बाद ही प्रभावती ने ब्रह्मचर्य का व्रत ले लिया और अहमदाबाद में गांधी आश्रम में राष्ट्रपिता की पत्नी कस्तूरबा के साथ रहने लगीं। जेपी ने भी पत्नी के साथ ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया। जयप्रकाश नारायण प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रशासनिक नीतियों के खिलाफ थे। 1974 में पटना में छात्रों ने आंदोलन छेड़ा था। आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम देने की शर्त पर उन्होंने इसकी अगुआई की। इसी दौरान देश में सरकार विरोधी माहौल बना तो इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा कर दी थी। जेपी भी जेल गए और करीब सात महीनों तक सलाखों के पीछे रहे। उनकी तबीयत भी उन दिनों खराब थी, लेकिन जो सम्पूर्ण क्रांति का नारा दिया, उसने देश में लोकतंत्र की बहाली दोबारा सुनिश्चित कर दी।

जेपी बाबू को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से विजय विक्रम आर्य, आर.डी. निषाद, राम सिंह यादव, अरविन्द सोनकर, राम प्रकाश चौधरी, रामचन्द्र यादव, भोला पाण्डेय, युनुस आलम, प्रशान्त यादव, राजेन्द्र चौधरी, निजामुददीन, राम उजागिर वर्मा दिनेश तिवारी, अशोक यादव, संजय गौतम, निसार अहमद, जयराज यादव, विजय यादव, विपिन त्रिपाठी, गिरीश चन्द्र, अजय यादव, वीरेन्द्र यादव, मंगल निषाद, मधुबन यादव, सचिन श्रीवास्तव, हरीश गौतम, परशुराम यादव, बलवन्त यादव, गौरीशंकर यादव , के साथ ही समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जेपी प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर समाजवादियों का हल्ला बोल

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र 11 अक्टूबर को सुर्खियों के केंद्र में रहा। दरअसल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर जेपीएनआईसी में जाकर माल्यापर्ण करना चाहते थे. मगर अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर सपा चीफ को जेपीएनआईसी में नहीं जाने दिया। इसी को लेकर सियासी हंगामा खड़ा हो गया। सपा कार्यकर्ताओं ने लखनऊ की सड़कों पर हल्ला बोल कर सत्ताधारी भाजपा को जमकर घेरा। सनद रहे, साल 2023 में जब पुलिस ने अखिलेश यादव को जेपीएनआईसी में जाने से रोका था, तब वह गेट फांद कर अंदर चले गए थे. बता दें कि जेपीएनआईसी सपा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट था. मगर भाजपा सरकार आने के बाद इस अंतरराष्ट्रीय केंद्र का निर्माण रोक दिया गया।

ज्ञात रहे कि साल 2012 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार आई, तो लखनऊ के गोमती नगर इलाके में देश का सबसे बड़ा कल्चरल सेंटर बनाने की योजना बनी. जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र यानी जेपीएनआईसी की कार्य योजना बनी. निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इस अंतरराष्ट्रीय सेंटर के निर्माण की लागत लगभग 265.58 करोड़ रुपये आंकी गई. निर्माण कार्य शुरू हुआ तो 2014 में यह लागत बढ़कर 350 करोड़ रुपये हुई और साल 2016 तक आते–आते इसकी कीमत 864 करोड़ 99 लाख रुपये हो गई।

बताते चले कि साल 2017 में भाजपा सत्ता में आई तो इस जेपीएनआईसी का लगभग 80 फीसदी काम पूरा हो चुका था. इस 17 मंजिला जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर में समाजवादी विचारधारा के अग्रदूत जयप्रकाश नारायण की स्मृतियों को संजोने वाला एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम, ऑल वेदर स्विमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट, टेनिस लॉन, 1200 गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था, 100 कमरे बनाने की योजना थी।

रोजगार सेवकों ने विधायक अजय सिंह को सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शुक्रवार को ग्राम रोजगार सेवक संघ जिलाध्यक्ष श्याम करन यादव के नेतृत्व में रोजगार सेवकों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक अजय सिंह को उनके हरैया स्थित आवास पर ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि समस्याओं का प्रभावी ढंग से निराकरण कराया जाय। विधायक अजय सिंह ने रोजगार सेवकों की समस्याओं को सुनने के बाद कहा कि वे इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री को अवगत कराकर हर संभव सहयोग करेंगे। उन्होने मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्र भी लिखा।

विधायक अजय सिंह को सौंपे 10 सूत्रीय ज्ञापन में रोजगार सेवकों का मानदेय 10 हजार रूपये करके एच.आर. पालिसी बनाकर ई. पी.एफ. का लाभ दिलाये जाने, प्रसूति अवकाश का लाभ देकर समायोजन किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने वालों में आचार्य ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, प्रवीन कुमार, हरिप्रसाद, हरिशंकर यादव, शत्रुहन्ता यादव, रोहित कुमार, मनोज कुमार, नकछेद, लालचंद, रूनीवर्मा, कलावती, नकुल, राजकुमार पाण्डेय, विपिन शुक्ला के साथ ही अनेक रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा के दौरान दबंगों ने ग्राम प्रधान को मारा-पीटा दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। दुर्गा पूजा के दौरान दबंगों द्वारा ग्राम प्रधान को मारने पीटने, जान से मारने की धमकी देने, उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर देने का मामला सामने आया है। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के छितौनी ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान अशोक कुमार निषाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

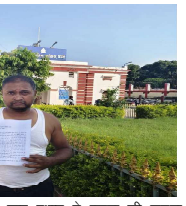

भेजे पत्र में ग्राम प्रधान अशोक कुमार निषाद ने कहा है कि उनके गांव छितौनी में कई वर्षो से दुर्गा पूजा का आयोजन होता है। गत 7 अक्टूबर की रात्रि लगभग 11 बजे मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के नगहरा निवासी अमर गौड़, पिपरा निवासी राजू उर्फ छोटू, पकड़ी चन्दा निवासी इन्द्रासन सहित 4 से 5 अन्य अज्ञात लोग दुर्गा पूजा देखने आये थे। इस दौरान वे उत्पात मचाने लगे, गांव के लोगों के मना करने पर वे गालियां देने लगे। शोर सुनकर ग्राम प्रधान अशोक कुमार मौके पर पहुंचे और मना करने पर उक्त लोगों ने अशोक को हाकी डण्डो से बुरी तरह से मारा पीटा। ग्राम प्रधान के चाचा अनिल के हस्तक्षेप पर किसी तरह से उनकी जान बची। जान से मार देने की धमकी देने के बाद उक्त लोगों ने ग्राम प्रधान के चार पहिया वाहन को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्राम प्रधान ने घटना की सूचना मुण्डेरवा पुलिस को दिया किन्तु पुलिस ने न तो चोटों का मुआयना कर मुकदमा पंजीकृत किया न ही कोई कार्रवाई ही किया। अशोक कुमार ने मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उनके और उनके परिवार के जान माल की सुरक्षा कराते हुये दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

जयंती पर याद किये गये वीर शिरोमणि रूपन बारी : एकजुटता पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य बारी संघ के नगर अध्यक्ष अष्टभुजा बारी के संयोजन में शुक्रवार को वीर शिरोमणि रूपन बारी की जयंती मनाई गई। उपस्थित लोगों ने पुरानी बस्ती के बारी टोला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीर शिरोमणि रूपन बारी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष राधेश्याम बारी ने कहा कि बारी समाज के लोग हमेशा समाज का चिंतन और मनन करते हुए आगे बढे हैं। बारी जाति के लोगों ने अपने महाराज का जन बचाने के लिए जिस तरह झूठे पत्तल को भी सिर पर रखने से झिझक नहीं किया और देशभक्ति की मिसाल पेश की। कहा कि वीर शिरोमणि रूपन बारी आल्हा ऊदल के सेना के वीर सेनापति थे। जो किसी भी देश में जाते थे तो पहली तलवार उस देश के राजा के सेनाओं पर वीर योद्धा रूपन बारी की ही चलती थी। उन्होने बारी समाज के लोगों का आवाहन किया कि वे अपने राजनीतिक, सामाजिक अधिकार को हासिल करने के लिये एकजुट होने के साथ ही बच्चों की शिक्षा पर सर्वाधिक ध्यान दें। कार्यक्रम में राजेश बारी, चमन लाल बारी, विशाल बारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

रूपन बारी के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रशान्त सिंह बारी, अजय कुमार बारी, हरिपाल बारी, प्रेम बारी, श्रवण कुमार, सुनील बारी, प्रदीप बारी, पंकज बारी आदि ने कहा कि बारी समाज को अपने सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षणिक अधिकार हासिल करने के लिये एक जुट होना होगा। संगठन की मजबूती से ही लक्ष्य प्राप्त होंगे। मुख्य रूप से राम गोपाल बारी, आशुतोष बारी,पप्पू बारी, पंकज के साथ ही बारी समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 अक्टूबर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

इण्डिया गठबन्धन का द्वंद

हरियाणा में वापसी को लेकर बनी बड़ी उम्मीदों के बीच आए अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से निश्चय ही कांग्रेस पार्टी सांसत में है। पार्टी का केंद्रीय व राज्य नेतृत्व स्तब्ध है कि आखिर ये क्या और कैसे हुआ। भले ही पार्टी ईवीएम व चुनाव प्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसे हरियाणा में शिकस्त और जम्मू–कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए। निश्चय ही इस प्रदर्शन ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर दिया है। यहां तक कि इंडिया गठबंधन में घटक दलों द्वारा बयानबाजी का दौर तेज हुआ है। वे कांग्रेस के अति आत्मविश्वास को विफलता की वजह बता रहे हैं। निस्संदेह, लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की यह सबसे पुरानी पार्टी पिछले दो आम चुनावों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आई थी। पार्टी को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिली थी। वहीं पार्टी के युवा तुर्क राहुल गांधी खासे मुखर थे। लेकिन आठ अक्तूबर के नतीजे के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इसके कुछ सहयोगियों, जैसे कि शिव सेना–यूबीटी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को आगामी विधान सभा चुनावों के लिये आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी है। साथ ही अपनी आगामी रणनीति की समीक्षा करने की सलाह भी दी है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सीट बंटवारे की बातचीत फिलहाल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। शिवसेना–यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी कांग्रेस इस बदले हालात में सीटों के बंटवारे के लिये बेहतर सौदेबाजी करने का अवसर महसूस कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगियों को तुरंत याद दिलाया है कि उसने इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तेरह पर जीत हासिल की थी।

बहरहाल ऐसे तर्कों के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में की गई चूकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके कई फैसलों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। गठबंधन में शामिल आप के साथ तालमेल करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ना सवालों के घेरे में रहा है। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी द्वारा हासिल 1.79 वोट शेयर ने भाजपा और कांग्रेस में कांटेदार टक्कर के बीच नतीजों पर कुछ असर तो डाला ही है। भले ही कांग्रेस आलाकमान अपने फैसलों को लेकर तर्क देता रहे, लेकिन उसे अपने गठबंधन के साझेदारों के प्रति अधिक उदार होने की जरूरत है। झारखंड में भाजपा के प्रभुत्व के मद्देनजर कांग्रेस को इतना विनम्र तो होना चाहिए कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद दूसरी भूमिका निभा सके। महाराष्ट्र में भी, उसे इस बात को प्राथमिकता देनी चाहिए कि गठबंधन के लिये क्या बेहतर हो सकता है न कि वह अपने पार्टी हितों को प्राथमिकता दे। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहमद्द को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर–प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने तो यहां तक घोषणा कर दी है कि दिल्ली विधान सभा के चुनाव पार्टी अकेले ही लड़ेगी। हरियाणा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों की एक व्याख्या यह भी की जा रही है कि भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच की दूरियां कम हो गई हैं। यह भी कि हरियाणा के अप्रत्याशित चुनावों में संघ की निर्णायक भूमिका रही है। यह तथ्य इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि संघ का नागपुर मुख्यालय महाराष्ट्र की राजनीति में प्रभावी घटक भी हो सकता है।

भारतवासियों के दिलों में सदैव अनमोल रहेंगे रतन टाटा

–अरुण नैथानी–

जब गुरूवार की सुबह देश ने आंखें खोली तो देशवासियों को शॉक लगा कि उन्होंने अपना एक अनमोल रत्न खो दिया है। यूं तो देर रात ही सोशल मीडिया पर मानवीय सरोकारों के विख्यात उद्योगपति रतन नवल टाटा के निधन की खबरें फैलनी शुरू हो गई थी। हर किसी को लगा जैसे कोई अपना हमें छोड़ गया। रतन टाटा को भारतीय समाज में दरियादिली, जीवन मूल्यों की प्रतिबद्धता व उद्योग जगत में नैतिकता के लिये जाना जाता है। टाटा के उत्पादों व सेवाओं को भरोसे का प्रतीक कहा जाता है। तेजी से संवेदनहीन होते समाज में कम ही होता है कि आम आदमी किसी राजनेता या उद्योगपति से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। लोग उनके अवसान पर दिल से दुखी होते देखे गए। व्यक्ति की विश्वसनीयता, सामाजिक प्रतिबद्धता, कथनी–करनी में साम्य और कारोबार में नैतिक मूल्यों की समाज आज भी कद्र करता है। देश में कई पीढ़ियां टाटा परिवार के आदर्शों से प्रेरित हुईं। उनकी उद्यमशीलता का अनुकरण करते हुए कई उद्यमी स्थापित हुए। रतन टाटा भारतीय समाज के लिये एक आदर्श पुरुष रहे हैं। उनके प्रेरक विचार अक्सर दोहराए जाते हैं। भरोसे का आलम यह है कि लोग अक्सर मजाक में कह दिया करते हैं कि हमने टाटा का नमक खाया है।

बेहद सादगी की जीवनशैली अपनाने वाले रतन टाटा दिखावे से हमेशा कोसों दूर रहे। आमतौर पर मंत्री, नौकरशाह और धनाढ्य अपने आगे–पीछे सहयोगियों–कर्मचारियों का लाव–लश्कर लेकर चलते हैं, वो रतन टाटा के साथ कभी नहीं रहा। आम आदमी की पीड़ा हमेशा उनके मन में रही। उन्होंने कहा था कि एक बार बारिश में भीगकर स्कूटर पर सफर करते परिवार को देखकर उनके मन में विचार आया कि देश में एक सस्ती कार बनायी जाए, जिसे आम आदमी खरीद सके। उन्होंने नैनो कार बनायी भी, लेकिन उसे सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। इस प्रसंग से रतन टाटा की सामाजिक प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का पता चलता है।

पहले सोमवार को सोशल मीडिया पर खबर आई थी कि रतन टाटा ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए हैं। तब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके कहा था कि मैं ठीक हूं और ज्यादा उम्र के कारण रूटीन चौकअप के लिये अस्पताल गया था। लेकिन बुधवार की रात इस 86 वर्षीय अनमोल रतन ने इस नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। हर किसी को लगा कि अपना कोई सगा हमारे बीच से चला गया। देशवासियों के इस आत्मीय लगाव की वजह यह भी रही है कि अकूत संपदा के मालिक होने के बावजूद वे सहज–सरल जीवन जीते रहे। कभी उनके मुंह से किसी के प्रति कटुता के शब्द नहीं सुने गए। वे कहते रहे कि धन व शक्ति मेरे मुख्य लक्ष्य कभी नहीं रहे। उनका आदर्श था कि मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही बनाता हूं। अमेरिका में अच्छी नौकरी और व्यवस्थित जीवन जी रहे रतन टाटा सब कुछ छोड़कर भारत लौटे। यहां तक कि इस निर्णय से निजी जीवन गहरे तक बाधित हुआ। जिसके बाद वे जीवनपर्यंत अविवाहित रहे। उनका निजी जीवन दस वर्ष की उम्र में माता–पिता के अलगाव की वजह से गहरे तक प्रभावित हुआ। उनकी दादी ने उनका लालन–पालन किया। पिता ने दूसरा विवाह किया जब ये 18 साल की उम्र में थे। कालांतर में मां ने भी दूसरा विवाह किया। लेकिन परिवार की इस असामान्य स्थिति का उनके व्यवहार व जीवन के नजरिये पर असर नहीं पड़ा। वे समाज के प्रति गहरे तक संवेदनशील रहे।

शुरुआती दिनों में रतन टाटा अपने सरनेम को लेकर असहज रहते थे। जब वे अमेरिका में पढ़ रहे तो खुश थे कि उनको ज्यादा नहीं पहचाना जाता। हालांकि, उन दिनों आरबीआई के सख्त नियमों के चलते विदेशों में विदेशी मुद्रा कम खर्च करने की अनुमति थी, अतरू खर्चे के लिये उन्हें कम ही पैसे मिल पाते थे। पिता ने भी देश के कानून का उल्लंघन करके उन्हें ब्लैक में डॉलर उपलब्ध नहीं कराये। तब पैसे महीने से पहले खत्म होने पर उन्हें अमेरिका में छोटे–मोटे काम करने पड़ते थे। जिसमें दोस्तों से उधार लेने से लेकर बर्तन धोना भी शामिल था। उन्होंने कॉर्नेल वि.वि. से स्थापत्य कला व इंजीनियरिंग में डिग्री ली।

ये रतन टाटा की मेहनत–लगन के जुनून की बानगी थी कि उन्होंने एक श्रमिक की तरह जमशेदपुर में टाटा स्टील में काम की शुरुआत की। फिर उन्हें प्रोजेक्ट मैनेजर बनाया गया। कालांतर में प्रबंध निदेशक के सहयोगी बने। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा उनकी मेहनत व लगन से खासे प्रभावित हुए और उन्हें रुग्ण कंपनियों को संवारने का दायित्व दिया। जिसमें नेल्को की जिम्मेदारी भी शामिल थी, जो बाद में मुनाफा उगलने लगी। इस तरह उनके टाटा उद्योग का प्रमुख बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उनकी सादगी व जीवन मूल्यों का आलम ये था कि जब वे टाटा सन्स के प्रमुख बने तो जेआरडी के कमरे में बैठने के बजाय अपने बनाये साधारण कमरे में बैठे। उन्होंने कभी छोटे कर्मचारी व बड़े अधिकारी के आत्मसम्मान के बीच फर्क नहीं किया।

कालांतर में 86 वर्ष की अवस्था में जेआरडी टाटा द्वारा 1991 में रतन टाटा को टाटा समूह का अध्यक्ष बनाये जाने के बाद समूह की समृद्धि व साख में आशातीत वृद्धि हुई। वर्ष 2000 में उन्होंने टाटा समूह से दुगने बड़े ब्रिटिश टेटली ब्रांड को खरीदा। फिर यूरोप की दूसरी बड़ी इस्पात निर्माता कंपनी कोरस का अधिग्रहण किया। वर्ष 1998 में टाटा मोटर्स ने भारत में डिजाइन की गई पहली कार 'इंडिका' बाजार में उतारी, जिसे बाजार में सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। जब आर्थिक संकट से उबरने के लिये उन्होंने अमेरिका की मशहूर कार कंपनी फोर्ड से सौदा करना चाहा तो मालिक बिल फोर्ड ने तंज किया कि वे इस क्षेत्र में अनुभव के बिना क्यों उतरे। टाटा की टीम बातचीत छोड़कर वापस आ गई। लेकिन इसके दस साल बाद ऐसा मौका आया कि आर्थिक संकट में फंसे होने पर रतन टाटा ने फोर्ड के मशहूर लग्जरी उत्पाद जैगुआर व लैंडरोवर का 2.3 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया। तब फोर्ड ने उन पर उपकार करने की बात कही। भले ही आर्थिक विशेषज्ञ इन सौदों की तार्किकता पर सवाल उठाते रहे लेकिन उनके द्वारा स्थापित टाटा समूह की सॉफ्टवेयर कंपनी टीसीएस यानी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने पूरी दुनिया में धाक के साथ खासा मुनाफा कमाया।

दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित रतन टाटा न केवल मनुष्य बल्कि जीवों के प्रति भी बेहद संवेदनशील रहे। उनके दो जर्मन शैफर्ड कुत्ते टीटो और टैंगो को उनका सबसे करीबी माना जाता था। एक बार समाजसेवा के लिये जब उन्हें ब्रिटिश राजकुमार चार्ल्स द्वारा बकिंघम पैलेस में बड़े पुरस्कार से नवाजा जाना था, अंतिम समय में अपने कुत्ते के बीमार होने पर उन्होंने पुरस्कार लेना स्थगित कर दिया। इस फैसले की सराहना राजकुमार चार्ल्स ने भी की। इतना ही नहीं, जब वे अपने कार्यालय बॉम्बे हाउस पहुंचते थे, तो सड़क के लावारिस कुत्ते उन्हें घेर लेते। उनकी पहुंच दफ्तर में उस जगह तक थी जहां आम लोगों का जाना मुश्किल था।

समय के खासे पाबंद रतन निजी जीवन में एकांतप्रिय थे। समय पर दफ्तर छोड़ने के बाद वे घर में दफ्तर के काम के लिए संपर्क पसंद नहीं करते थे। उनके व्यक्तित्व में गहराई थी तो संवेदनशीलता भी थी। उन्हें दिखावा पसंद नहीं था। कोरोना संकट में उन्होंने लॉकडाउन के प्रभावों से उबरने को टाटा ट्रस्ट से पांच सौ करोड़ व टाटा कंपनियों की तरफ से एक हजार करोड़ रुपये दिये। टाटा न्यास निरंतर समाज सेवा, शिक्षा व समाज उत्थान के लिये आर्थिक योगदान देता रहा है। भारत के ऐसे अनमोल रत्न रतन टाटा आम भारतीय के अहसासों में सदैव विद्यमान रहेंगे।

विकास से होगा नक्सलवाद का खात्मा

–योगेंद्र योगी–

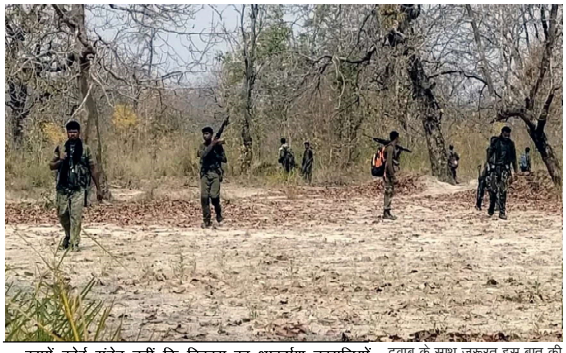

इसमें कोई संदेह नहीं कि विकास का आकर्षण नक्सलियों को हथियार डालने के लिए प्रेरित करेगा। देश के अन्य हिस्सों की तरह दुगर्म नक्सली इलाकों में विकास की रफ्तार तेज करनी होगी। नक्सली क्षेत्रों में समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पैकेज को प्रचार माध्यमों के जरिए प्रभावी बनाना होगा।

लोकतंत्र का रास्ता छोड़ कर हथियारों के बल पर क्रांति लाने का ख्वाब पाले नक्सलियों को इसकी कीमत अपने खून से लगातार चुकानी पड़ रही है। हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून–खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर–दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया।

अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं। सुरक्षा बलों की संख्या और मजबूती के सामने नक्सली कहीं नहीं टिक सकते। यह जानते हुए भी नक्सलवाद एक हारी हुई लड़ाई है, गुमराह नक्सली जान देने पर आमदा हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात क्या हो सकती है, बदलाव के लिए जिन युवाओं के हाथों में कलम, कम्प्युटर या ऐसे ही समाज और राष्ट्रनिर्माण के उपकरण हो सकते हैं, उनके हाथों में हथियार हैं। इसमें भी उन्हें कहीं चैन–सुकून नहीं है। पुलिस की गोली जंगलों में कब उनका काम तमाम कर दे, इसका डर उन्हें दिन–रात सताता रहता है। परिवार और समाज से दूर यायावरों की तरह जंगलों में भटकने वाले नक्सलियों पर हर वक्त मौत का साया मंडराता रहता है।

देश की आजादी को 75 साल से ज्यादा हो गए। देश में बदलाव लाने के लिए नक्सलियों के हिंसात्मक आंदोलन को भी 6 दशक से ज्यादा का समय हो गया। नक्सलियों का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। कभी आठ–दस राज्यों में प्रभाव रखने वाले नक्सलियों का दायरा सिमटता हुआ दो–तीन राज्यों में रह गया। देश की पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त और सशक्त कार्रवाई के सामने नक्सली बौने साबित हुए हैं। इस वर्ष अब तक दंतेवाड़ा और नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने अलग–अलग मुठभेड़ों में 171 माओवादियों को मार गिराया है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कानू सान्याल और चारू माजूमदार ने सरकार के खिलाफ 1967 में एक मुहिम छेड़ी थी। देखते ही देखते ये एक आंदोलन बन गया और चिंगारी फैलने लगी। इस आंदोलन से जुड़े लोगों ने खुद सरकार के खिलाफ हथियार उठा लिए। सरकार के खिलाफ ये विद्रोह उन किसानों का था, जो जमींदारों के अत्याचार से परेशान हो चुके थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि जंगलों में पैतृक अधिकारों से वंचित आदिवासियों ने सरकारी तंत्र के जुल्म–सितम से तंग आकर कोई विकल्प नहीं देख कर नक्सली विचारधारा का दामन थामा।

राज्यों की सरकार ने दशकों तक इन इलाकों में विकास को तरजीह नहीं दी। इससे नक्सलियों के कुप्रचार का रास्ता और भी आसान हो गया। यही वजह रही कि पश्चिमी बंगाल से शुरु हुआ नक्सलवाद सीमावर्ती राज्यों में फैलता चला गया। बीते दशकों के दौरान नक्सलियों और सुरक्षाबलों को भारी जनहानि उठानी पड़ी। नक्सलियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास कार्य ठप्प पड़ गए। इसका फायदा उठा कर कट्टर नक्सलियों को युवाओं को बहकाने का मौका मिल गया। नक्सलवाद की समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों ने दो स्तरीय नीति बनाई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के राहत पैकेज और हिंसा करने वालों के प्रति सख्ती की नीति अपनाई। इसी के तहत राज्यों में आत्समर्पण करने वाले नक्सलियों को अनुग्रह राशि देने का प्रावधान किया गया। इनके पुनर्वास की योजना को मंजूरी दी गई। विवाह करने के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया ताकि युवा हिंसा का रास्ता छोड़ कर परिवार–समाज के साथ सामान्य जीवन बिता सकें। इसके अलावा केंद्र और राज्य संयुक्त तौर पर नक्सलियों से निपटने की रणनीति पर लगातार कार्यरत हैं। नक्सलियों के राहत पैकेज की रफ्तार बेशक धीमी हों, किन्तु इसका फायदा उठा कर अब तक बड़ी संख्या में युवा हथियार छोड़ कर सामान्य जीवन व्यतीत करने में सफल रहे हैं।

नक्सलियों पर सुरक्षा बलों पर दवाब के साथ जरूरत इस बात की है कि विकास की रफ्तार तेज की जाए। नक्सलवाद के जड़ सहित खात्मे के लिए दवाब और विकास की रणनीति जरूरी है। सच्चाई यह भी है कि नक्सल प्रभावित राज्यों में जिस तेजी से विकास होना चाहिए था, वह ऊंट के मुंह में जीरा साबित हुआ है। नक्सल प्रभावित इलाके आज भी पानी, बिजली, स्कूल–अस्पताल और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से जूझ रहें है। पिछड़ेपन के ऐसे हालत नक्सलवाद के कुप्रचार का रास्ता आसान बनाते हैं। दशकों तक राज्यों में नक्सली हिंसा की मूल वजह भी विकास में पिछड़ापन रही है। इसके अलावा सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार और लालफीताशाही ने नक्सलवाद की आग में घी का काम किया है। ऐसे हालात ने नक्सली विचारधारा को पनपने और फलने–फूलने के लिए वातावरण तैयार किया है।

इसमें कोई सदेह नहीं कि विकास का आकर्षण नक्सलियों को हथियार डालने के लिए प्रेरित करेगा। देश के अन्य हिस्सों की तरह दुगर्म नक्सली इलाकों में विकास की रफ्तार तेज करनी होगी। नक्सली क्षेत्रों में समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पैकेज को प्रचार माध्यमों के जरिए प्रभावी बनाना होगा। राहत पुनर्वास पैकेज की जानकारी नही होना भी नक्सलियों के मुख्यधारा में शामिल नहीं होने में प्रमुख बाधा बनी हुई है। इन बाधाओं को हटा कर ही देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में अमन–चौन कायम किया जा सकता है।

लोकनायक का चिंतन आज भी प्रासंगिक

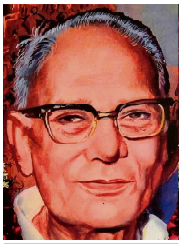

–डॉ. रामजीलाल–

लोकनायक जयप्रकाश नारायण का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन तथा स्वतंत्र भारत के इतिहास में खास स्थान है वहीं समाजवादी विचारक होने के नाते भी उनका योगदान विशेष है। दरअसल, प्रमुख समाजवादी नेताओं में शामिल जयप्रकाश नारायण की भूमिका अद्वितीय है।

बिहार के एक गांव सिताब दियारा में 11 अक्तूबर 1902 को जन्मे जयप्रकाश नारायण ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव में ग्रहण की और मैट्रिक एवं इंटर की पढ़ाई पटना में की। महात्मा गांधी के प्रभाव के कारण उन्होंने पढ़ाई का परित्याग करके असहयोग आंदोलन में भाग लिया। फिर साल 1922–1929 तक अमेरिका में उच्चतर शिक्षा ग्रहण की। अमेरिका में रहते हुए उन्होंने कार्ल मार्क्स, लेनिन तथा भारतीय साम्यवादी चिंतक एमएन राय के विचारों का गहन अध्ययन किया और वे साम्यवादी बन गए।

जयप्रकाश नारायण का विचार था कि राष्ट्रीय राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक समानता न्याय एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक है। परंतु पूर्व सोवियत संघ (अब रूस) में साम्यवादी पार्टी की तानाशाही, भारतीय साम्यवादी दल के दृष्टिकोण तथा भारतीय परिस्थितियों के कारण जयप्रकाश कट्टर साम्यवादी नहीं बन सके। इसमें गांधीजी का प्रभाव भी एक वजह थी। राष्ट्रीयता की भावना के कारण वे साम्यवाद से विमुख हो गए।

वर्ष 1929 में अमेरिका से भारत वापस लौटे तो जवाहरलाल नेहरू के निमंत्रण पर कांग्रेस पार्टी में सम्मिलित हो गए। वे इलाहाबाद स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की श्रमिक गतिविधियों का संचालन करने लगे। वर्ष 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया। उन्हें गिरफ्तार करके एक वर्ष कठोर कारावास का दंड दिया गया। इस दौरान नासिक जेल में उनकी मुलाकात तत्कालीन युवा समाजवादियों–अच्युत पटवर्धन, अशोक मेहता, मीनू मसानी से हुई। इसी के चलते वर्ष 1934 में जेल से रिहा होने के बाद कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना में जयप्रकाश नारायण की भूमिका अति महत्वपूर्ण रही। उन्हें इस पार्टी का संस्थापक महासचिव बनाया गया। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का लक्ष्य शोषणमुक्त समाज की स्थापना करना था। इन्होंने आर्थिक–सामाजिक पुनर्निर्माण के सिद्धांत का समर्थन किया तथा पूंजीवाद, उदारवाद का विरोध किया।

भारत में साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए जयप्रकाश नारायण ने अहिंसात्मक, हिंसात्मक एवं क्रांतिकारी साधनों के प्रयोग पर बल दिया। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण अपने 5 साथियों सहित हजारीबाग जेल से भागने में सफल हो गए। ब्रिटिश साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए इन्होंने 'भूमिगत गोरिल्ला आंदोलन' चलाने के लिए आजाद दस्तों की स्थापना की। इसी क्रम में जयप्रकाश नारायण को 18 सितंबर, 1943 को लाहौर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया और केंद्रीय जेल लाहौर में 50 दिन तक अमानवीय यातनाएं सहीं। अप्रैल, 1946 में जेल से रिहा होने के पश्चात जयप्रकाश नारायण ने 'जन क्रांति के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया।

जयप्रकाश नारायण त्याग की मूर्ति थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत में कोई भी सरकारी पद ग्रहण नहीं किया। वर्ष 1954 में जयप्रकाश नारायण राजनीति का त्याग करके सर्वोदय आंदोलन में सम्मिलित हो गए। साल 1974 तक जयप्रकाश नारायण सर्वोदयवादी रहे। परंतु राजनीति एवं समाज में व्यापक स्तर पर फैले भ्रष्टाचार, गरीबी, एवं सत्ता संघर्ष की राजनीति के बोलबाले के कारण जयप्रकाश नारायण पुनः सक्रिय राजनीति में लौट आए और यूथ फॉर डेमोक्रेसी संस्था स्थापित करके छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया। पांच जून, 1974 को पटना में एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए जयप्रकाश ने संपूर्ण क्रांति के सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसे विद्यार्थियों के साथ–साथ भारत के विपक्षी दलों का भी समर्थन प्राप्त था। संपूर्ण क्रांति को कुचलने के लिए इंदिरा गांधी की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा 25 जून 1975 की मध्यरात्रि आपातकाल की घोषणा की गई।

विरोध प्रदर्शन कर रहे सपाइयों को पुलिस ने रोका, नारेबाजी

संवाददाता–महराजगंज। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर सरकार के विरोध में प्रदर्शन करने सड़क पर उतरे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया। लखनऊ के जेपी सेंटर में सपा अध्यक्ष को जाने से रोकने के विरोध में सपाइयों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। पुलिस ने जब विरोध प्रदर्शन कर रहे सपाइयों को आगे बढ़ने से रोक दिया तो नाराज सपाइयों ने पुलिस के खिलाफ भी जोरदार नारे लगाए। कुछ देर बाद सपाइयों को पुलिस ने वापस कर दिया और तब गहमागहमी खत्म हुई। सपा कार्यालय पर भारत रत्न जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाने सपाई पार्टी कार्यालय पर जुटे थे। लखनऊ में जेपी सेंटर में जाने से सपा अध्यक्ष को रोकने से नाराज कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया। कार्यालय से सड़क पर उतरकर सपाइयों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और आगे बढ़ना चाहा। लेकिन पहले से मुस्तैद पुलिस कर्मियों ने सपाइयों को आगे बढ़ने से रोक दिया। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जेपी सेंटर में जाकर स्व. जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करना था। लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस रवैये का सपाई पुरजोर विरोध करेंगे और चुप नहीं बैठेंगे। इस दौरान बाबा साहब डॉ. आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव श्रवण पटेल, जिला सचिव शमशुल हुदा खान, जिला उपाध्यक्ष बाबर अहमद, प्रणय गौतम, सदर विधान सभा अध्यक्ष नौशाद आलम, नौतनवा के अध्यक्ष विक्रम यादव, कैलाश प्रजापति, जिला सचिव विजय यादव, अमरनाथ यादव, रामशीष यादव, रामसुधार यादव, डॉ. शेषनाथ, यगदत्त पासवान, संजय यादव, अमित यादव सहित बड़ी संख्या में सपाई मौजूद रहे।

भाजपा के चेयरमैन प्रत्याशी ने नहीं भरा डायरेक्टर पद का पर्चा

संवाददाता–कुशीनगर। लक्ष्मीगंज केन यूनियन के प्रबंध कमेटी के चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है। भाजपा के चेयरमैन पद के घोषित प्रत्याशी ने क्षेत्र संख्या 11 से डायरेक्टर का पर्चा ही नहीं भरा है। क्षेत्र से समसुल हसन निर्विरोध डायरेक्टर चुने गए है। 11 डायरेक्टर के इस केन यूनियन में रामकोला ब्लॉक प्रमुख के हस्तक्षेप से 6, जबकि कुल 7 डायरेक्टर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

लक्ष्मीगंज केन यूनियन के लिए भाजपा द्वारा चेयरमैन पद के घोषित प्रत्याशी शत्रुघ्न प्रताप शाही ने क्षेत्र संख्या 11 सौरहा से डायरेक्टर पद के लिए पर्चा ही नहीं दाखिल कर सके। रामकोला ब्लॉक प्रमुख दिग्विजय सिंह लक्ष्मण के सहयोग से क्षेत्र संख्या 11 से समसुल हसन निर्विरोध डायरेक्टर चुने गए। बताया जा रहा कि डेलीगेट की लामबंदी देख भाजपा प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल करना उचित नहीं समझा। प्रमुख के गृह क्षेत्र के इस केन यूनियन में उन्होंने उम्मीदवारों के बीच सामंजस्य स्थापित कर आधा दर्जन डायरेक्टर को निर्विरोध निर्वाचित करा दिया। लक्ष्मीगंज केन यूनियन के क्षेत्र संख्या 2 चंदरपुर से गया यादव, क्षेत्र संख्या 5 पिपरा बरसीवान से मुन्नी देवी, बगहा खुर्द 7 से विद्या देवी, क्षेत्र संख्या 8 रामपुर बगहा से विमला देवी, क्षेत्र संख्या 10 लालछपरा से धनंजय गोविंद राव व भाजपा से चेयरमैन पद के घोषित प्रत्याशी के क्षेत्र संख्या 11 सौरहा से समसुल हसन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। क्षेत्र संख्या 9 लक्ष्मीपुर उर्फ कुर्मीपट्टी से देवता देवी निर्विरोध निर्वाचित हुई है। 14 तारीख तक पर्चा वापसी की तिथि है। संभावना जतायी गयी है कि जिन क्षेत्र में चुनाव के लिए प्रत्याशी मैदान में हैं, उनमें से भी कुछ सीटों पर सामंजस्य स्थापित कर निर्विरोध निर्वाचन हो सकता है।

आभूषण की दुकान में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, गैंगस्टर गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– महराजगंज। महराजगंज की भिटौली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ज्वेलरी शॉप चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है। चोरी के गहने को बरामद कर पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह सिद्धार्थनगर जिले का रहने वाला है। उसके खिलाफ गैंगस्टर समेत कई संगीन अपराध दर्ज है। जेल ही जा चुका है। 24 घंटे के अंदर चोरी का खुलासा व गहना बरामदगी करने वाली पुलिस टीम को एसपी सोमेंद्र मीना ने 25 हजार रुपया पुरस्कार देकर सम्मानित किया। एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि बीते 10 अक्तूबर की रात को धर्मपुर बाजार स्थित सचिन ज्वेलर्स की दुकान में चोरी हुई थी। चोर ताला तोड़कर आभूषण चुराए थे। मामला संज्ञान में आने के बाद भिटौली पुलिस त्वरित जांच शुरू कर दी। 24 घंटे के अंदर शुक्रवार को पुलिस ने शातिर चोर सिराजुल हक उर्फ जमील को गिरफ्तार किया। उसके पास से 7.5 किलो चांदी और 136 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि सिराजुल के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की जांच में सिराजुल ने बताया कि वह 2011 में एसबीआई बैंक से 1 लाख रुपये का लोन लिया था। कर्ज बढ़कर 4 लाख हो गया था। आर्थिक तंगी के चलते वह चोरी की घटनाओं में लिप्त हो गया था। चोरी की घटना में बरामदगी व आरोपी को गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार वैश्य, सर्विलांस टीम सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

नवरात्र पर कन्याभोज व पूर्णाहुति की धूम, नौ दिनों के व्रत का हुआ समापन

संवाददाता–श्रावस्ती। शारदीय नवरात्र पर शुक्रवार को अष्टमी व नवमी दोनों तिथियां रहीं। इसलिए पूर्णाहुति करके व्रत का समापन किया गया। इस दौरान पूजा पंडालों और प्रमुख देवी मंदिरों में लोगों की भीड़ रही। लोगों ने पूर्णाहुति करके व्रत का समापन किया। शुक्रवार को सुबह छह बज कर 37 मिनट तक अष्टमी तिथि और उसके बाद नवमी तिथि रही। इसलिए कुछ लोगों ने अष्टमी का व्रत रखा तो कुछ लोगों ने नवमी की पूर्णाहुति की। नौ दिनों तक चलने वाले व्रत की पूर्णाहुति नवमी तिथि में किए जाने की परम्परा है। नौ दिनों तक व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने व्रत का समापन पूर्णाहुति करके किया। पूर्णाहुति के साथ ही कन्या भोज करा कर व्रत का समापन किया। इस दौरान भिनगा के काली माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कोई कन्याभोज करा रहा था तो कोई पूर्णाहुति कर रहा था। इस दिन मुंडन आदि संस्कार भी कराए गए। दुर्गा पूजा पंडालों में भी शुक्रवार को पूर्णाहुति कराई गई। लक्ष्मनगर पूजा पंडाल में लोगों ने दोपहर में व्रत का समापन व पूर्णाहुति की। इसी तरह से मिर्जापुर गांव में सती माता मंदिर पर नवमी तिथि पर जिला पंचायत सदस्य विशम्भर श्रीवास्तव ने मंदिर परिसर में कन्या भोज करवाया। इस दौरान शिक्षक महेश यादव, ननकऊ श्रीवास्तव और जिला पंचायत सदस्य विशम्भर श्रीवास्तव ने फल ,खीर पूड़ी भोजन खिलाकर कन्याओं से आशीर्वाद प्राप्त किया।

चोरी हुई बाइक पहचानी तो आरोपी ने गर्म तेल फेंक तीन सगे भाई–बहन को जलाया, आरोपी फरार

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर इलाके के सत्संग नगर कालोनी में लगे दुर्गा पूजा पंडाल के पास गुरुवार रात ठेला लगाए युवक के सामने इसी गांव निवासी बाइक सवार युवक आया, तो ठेला लगाए युवक ने चोरी गई अपनी बाइक पहचान पकड़ने की कोशिश की। पयागपुर इलाके के सत्संग नगर कालोनी में लगे दुर्गा पूजा पंडाल के पास गुरुवार रात ठेला लगाए युवक के सामने इसी गांव निवासी बाइक सवार युवक आया, तो ठेला लगाए युवक ने चोरी गई अपनी बाइक पहचान पकड़ने की कोशिश की। बाइक सवार युवक चूल्हे पर रखी खौलते तेल की कड़ाही पलटकर भाग गया। जिससे युवक व उसकी दो बहनें झुलस गईं। तीनों झुलसे पीड़ितों को सीएचसी ले जाने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पयागपुर थाने के सत्संग नगर कालोनी निवासी करन विश्वास (24) पुत्र दीनू विश्वास चाट फकौड़ी का ठेला लगा कर परिवार की आजीविका चलाता है। करन की दो बहनें ससुराल से अपने सत्संग नगर कालोनी स्थित मायके में माही सिंह (22) पत्नी पुष्पेंद्र सिंह और पूनम राय (29) पत्नी पिंटू राय कुछ दिनों पूर्व आई हुई हैं। माई करन जो दुर्गा पूजा पंडाल के पास चाट का ठेला लगाता है उसकी मदद कर रही हैं। करन के पिता की हादसे में मौत हो चुकी थी। उसकी बाइक को गांव के ही युवक ने गायब कर दिया था। गुरुवार को गांव के पंडाल में करन ठेला लगाए था। बाइक सवार युवक को मेला आने पर करन ने अपनी बाइक पहचान लिया। पहचान होते ही उससे बाइक मांगी। भांडा फूटते देख युवक सागर नाराज हो गया। उसने लात मारकर चूल्हे पर चढ़ी कड़ाही पलट दी। जिससे करन, माही व पूनम झुलस गए। परिजनों ने तीनों झुलसे भाई बहन को सीएचसी में भर्ती कराया है। चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसएचओ करुणाकर पांडेय ने बताया कि कि तहरीर मिलते ही केस दर्ज किया जाएगा।

उप चुनाव में सभी दस सीटें जीतेगा इंडिया गठबन्धन –श्यामलाल

संवाददाता–बहराइच।। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का कैसरगंज में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि सपा 2027 के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाएगी। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का शुक्रवार को कैसरगंज तहसील गेट पर सपाइयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के दिए संविधान से ही देश में तरक्की का रास्ता निकलेगा। उन्होंने दावा किया कि उपचुनाव में प्रदेश की सभी 10 सीटें सपा और इंडिया गठबंधन के खाते में आएंगी। इस मौके पर उनके साथ सपा जिला अध्यक्ष रामहर्ष यादव, विधायक आनंद यादव, विधायक रामावतार सैनी, प्रदीप यादव एडवोकेट, सपा जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साइकिल से जा रहे युवक पर हाथी ने किया हमला, पैरों से रौंद डाला, इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन क्षेत्र में तेंदुआ के साथ ही जंगली हाथियों का उत्पात काफी बढ़ गया है। शुक्रवार सुबह साइकिल से भरथापुर गांव जा रहे एक युवक पर हाथी ने हमला कर उसे पटक दिया जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत कतर्नियाघाट रेंज में भवानीपुर गांव निवासी मुबारक (26) पुत्र लाल मोहम्मद सुबह 7 बजे साइकिल से निजी कार्य के लिए भरथापुर गांव जा रहा था तभी कतर्नियाघाट मार्ग पर गुदगुदी के पेड़ के निकट टरकर हाथी ने उसपर हमला कर दिया। युवक ने साइकिल छोड़कर भागने का प्रयास किया लेकिन हाथी ने उसे पैरों तले रौंद डाला। मौके पर पहुचे राहगीरों ने हाका लगाया जिसके बाद हाथी उसे छोड़कर जंगल की ओर भागा। सूचना के बाद वन विभाग व गजमित्रों की टीम मौके पर पहुंच गई जिनके द्वारा हाका लगाकर हाथियों को जंगल की ओर भगाया गया जिसके बाद रेंजर रामकुमार द्वारा घायल युवक को इलाज के लिए बिछिया निजी चिकित्सक के यहां लाया गया। जहां से उसे इलाज के लिए एंबुलेंस द्वारा सीएचसी मोतीपुर भेजा गया है।

साइकिल से दुकान जा रहे बुजुर्ग की अज्ञात वाहन की ठोकर से मौत

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र में एक साइकिल सवार बुजुर्ग की एक वाहन की टक्कर से मौत हो गई। 68 वर्षीय परदेशी फल की दुकान से घर खाना खाने के बाद लौट रहे थे। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के हदियाकोट–फुलवरिया मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक हादसा हो गया। एक वाहन की ठोकर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। क्षेत्र के ग्राम बंजरहा सोनबरसा के टोला फुलवरिया निवासी परदेशी (68) हदियाकोट में फल की दुकान चलाता था। शुक्रवार दोपहर वह घर खाना खाने आया। खाना खाकर वह साइकिल से अपनी फल की दुकान पर जा रहा था कि रास्ते में किसी वाहन से जोरदार ठोकर लग गई। हादसे के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया, जबकि बुजुर्ग वहीं सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। जब तक सूचना पाकर परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। एसओ सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

बेरहमी से पति ने की थी सोनम की हत्या

संवाददाता–देवरिया। पत्नी की बेहरमी से हत्या के मामले में पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस ने हत्यारे पति को गुरुवार की रात ही गिरफ्तार कर लिया था। उसने जान बख्शने की भीख मांग रही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी थी। गौरीबाजार के तेन्दूबारी में गुरुवार की देर शाम रंजीत श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी सोनम श्रीवास्तव की बेरहमी से हत्या कर दी थी। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार शाम को पत्नी को बेहरमी से पीटने लगा तो छत से नीचे कूद गई और जान बचाने के लिए गांव में भागी। महिलाओं से जान बचाने की गुहार लगाई। गांव के एक व्यक्ति के मोबाइल से पुलिस को अपने साथ मारपीट की जानकारी दी। पीछे से पहुंचा उसके पति ने कुछ नही कहने की शर्त पर घर के भीतर ले गया और दरवाजा बंद कर पीटने लगा। दरवाजे बाहर खड़ी पीआरबी पुलिस और ग्रामीण उसके पति को बाहर निकलने की आवाज लगाते रहे। ग्रामीणों के मुताबिक करीब एक घंटे बाद पत्नी को घर के भीतर से घसीटते हुए निकला और उसे दरवाजे पर खड़ी पीआरबी पुलिस के सामने फेंक दिया। भीड़ पीआरबी पुलिस पर आक्रोशित हो गई कि वह चाहती तो जान बचा सकती थी। लेकिन उसे आखिर सांस तक पति के हाथों पिटने दिया। दशहरा के अवसर पर अपने गांव के एक बहू की जान नही बचा पाने का ग्रामीणों को बेहद दुख था। मामले में पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर रंजीत श्रीवास्तव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। महाराजगंज जनपद के समदेउरवा थाना क्षेत्र के सिरसिया सलमिला निवासी सुमन श्रीवास्तव पत्नी स्व. सुरेंद्र श्रीवास्तव बेटी की हत्या की खबर सुन मां बदहवास हो गई। रात में ही वह परिवार वालों के साथ गौरीबाजार पहुंची। इसके बाद उनकी तहरीर पर रंजीत श्रीवास्तव पुत्र विरेन्द्र के खिलाफ धारा 103 (1) के तहत मुकदमा दर्ज किया किया गया। पुलिस ने हत्यारोपी पति को वारदात के तुरंत बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। रंजीत श्रीवास्तव से उम्र में छोटी थी सोनम। उसकी उम्र 21 साल होगी। सोनम गरीब परिवार की थी। उसके पिता नही थे। कोरोना काल में किसी तरह दोनों की शादी हुई थी। उससे अभी एक ढाई साल का पुत्र ओम् है। रंजीत के पिता गोरखपुर में क्वार्टर लेकर एक प्राईवेट कंपनी में काम करते थे, बेटा–बहू उन्हीं के साथ रहते थे। कभी कभी गांव के आते थे। इसका बड़ा भाई अलग कहीं और रहता है। रंजीत कमाने के लिए बाहर भी गया था। बताया जाता है रंजीत पर बहुत कर्ज था।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह मे हुआ कन्या पूजन जिला प्रोबेशन अधिकारी ने वितरित किया उपहार'

–भारतीय बस्ती संवाददाता– महराजगंज। अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य , मिशन शक्ति फेज5 अभियान के तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव महराजगंज के निर्देशन में विशेष कन्या पूजन एवं उनके लिए प्रसाद ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति पुष्पलता मंगल कन्याओं का पूर्ण विधि विधान के साथ पूजन–अर्चन कर , प्रसाद ग्रहण कराया गया साथ में कन्याओं को उपहार दिया गया । बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, उ0प्र0 शासन लखनऊ एवं महिला कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में दिनांक–02 से 11 अक्टूबर 2024 के मध्य 10 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह के अन्तर्गत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया कन्या पूजन के शुभ अवसर पर उपस्थित कन्याओं को

चन्दन और अक्षत का टीका कर , चुनरी व माल्यार्पण कर पूर्ण विधि विधान के साथ पूजन–अर्चन किया गया। तत्पश्चात प्रत्येक कन्याओं को प्रसाद ग्रहण कराकर उपहार दिया गया। इसी प्रकार विशेष कन्या पूजन के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया स व विधि विधान के साथ कन्याओं का पूजन–अर्चन भी किया गया। तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति पुष्पलता मंगल जी कन्याओं को प्रेरित करते हुए उनके द्वारा कहा कि आप सब अपने जीवन में सतत् आगे बड़े तथा बच्चियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं स कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बच्चियों उपहार गिफ्ट करते हुए उनके उज्जल भविष्य कामना करते हैं एव वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रशासिका व मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता प्रियंका सिंह ,स्टाफ नर्स नैना पटेल , संतोष उपाध्याय, जिला प्रोबेशन कार्यालय व पुलिस के अभी स्टॉफ उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। रामनगरी में जियनपुर महोबरा बाजार स्थित कबीर मठ के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहेब व उदार साहेब की पुण्य स्मृति पर आयोजित तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का उद्घाटन करने के बाद मुख्य अतिथि संत कबीर समाधि स्थली मगहर पीठाधीश्वर आचार्य प्रवर विचार साहेब ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कबीर के इस सांप्रदायिक सौहार्द को लेकर ही हमें भी चलना चाहिए। सांप्रदायिक सौहार्द मानवता का गुण है। यह भाव आपसी बैर, शत्रुता, दुर्व्यवहार, दुर्भाव आदि को दूर और मानव में होने वाले श्रेष्ठ गुणों का विकास करता है। दुनिया में सदगुरू कबीर को चाहने वाले अनगिनत लोग हैं। कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्हें शांतिमय जीवन प्रिय था और वे अहिंसा, सत्य, सदाचार आदि गुणों के प्रशंसक थे। विशिष्ट अतिथि साकेत महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष सुनील तिवारी शास्त्री ने कहा कि अपनी सरलता, साधु स्वभाव व संत प्रवृत्ति के कारण आज विदेशों में भी सद्गुरु कबीर का समादर हो रहा है। छिछोछा दरगाह अंबेडकरनगर के छिछोछ्री हजरत सैय्यद इरफान मियां ने कहा कि कबीर साहेब सिर्फ मानव धर्म में विश्वास रखते थे। मुख्य वक्ता साकेत महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रामचंदर वर्मा ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने पूरी दुनिया के मानव को एक करने के लिए संघर्ष किया। जात–पात और मजहब से हटकर लोगों को इंसानियत का पाठ पढ़ाया।

श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर कबीर मठ अयोध्या के कार्यवाहक अध्यक्ष महंत उमाशंकर दास ने कहा कि कबीर मठ में तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला शुरू हो चुका है। सुबह बीजक पाठ, उसके बाद विचार गोष्ठी और सायंकाल भजन का कार्यक्रम हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला सन् 2005 से चल रहा है। यह मेले का 19वां वर्ष है। जो कबीर मठ के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहेब एवं उदार साहेब की पुण्य स्मृति में आयोजित हो रहा है। कबीर मेला का समापन 13 अक्टूबर को होगा। गोष्ठी में कबीर आश्रम मूडघाट बस्ती के महंत रामलखन दास उर्फ लाल साहेब, बाबा कमल दास, सिंचाई विभाग के सचिव डॉ. हीरालाल चौधरी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर अयोध्या के कार्यवाहक मंत्री संत विवेक ब्रह्मचारी ने किया।इससे पहले श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि समेत अन्य गणमान्यजनों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वहीं सायंकाल गोरखपुर दूरदर्शन के कलाकार रामप्रसाद साहेब ने अपनी भजन मंडलियों संग सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला में चार चांद लगा दिया। विचार गोष्ठी में कबीर मंदिर सूरत गुजरात के महंत देवेन्द्र साहेब, महंत रामप्रकाश दास, रविंद्र दास, हेमंत दास, युवराज दास, रामलाल दास, भुवनेश्वर दास, राधेश्याम दास, नरसिंह दास, अजीत दास, भानुप्रताप वर्मा इंटर कालेज हनुमत नगर के प्राचार्य निर्मल वर्मा, अनूप जायसवाल, शिवदास पटेल आदि समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला में बृजभूषण शरण सिंह ने उतारी आरती

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज के अध्यक्षता में उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज संयोजन में अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला शारदीय नवरात्र के अवसर पर सदियों से की जा रही है और निरंतर की जाएगी। इस रामलीला में सभी अयोध्या के है और अवधी भाषा में खेली जाती है अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला में प्रभु श्री राम के चरित्र की लीला। गुरुवार की रामलीला में रावण अंगद संवाद और लक्ष्मण शक्ति की रामलीला देख उपस्थित साधु संत एवं दर्शन मंत्र मुग्ध हो गए। अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे और आरती उतारी।

उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज ने बताया कि रामलीला हमारी धरोहर है, समाज प्रभु श्री राम के चरित्र से अवगत हो और अपने जीवन में उसको धारण करें इसीलिए हमारे पूर्वजों द्वारा सदियों से रामलीला की जा रही है जिससे समाज में भाईचारा बना रहे लोग एक दूसरे से प्यार करें किसी से लड़ाई ना करें। माता–पिता के साथ क्या व्यवहार होना चाहिए पत्नी के साथ क्या व्यवहार होना चाहिए भाई के साथ क्या व्यवहार होना चाहिए रामलीला से शिक्षा मिलती है यही कारण है कि गांव गांव तक रामलीला की जाती है।

पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत विमल कृष्ण दास महाराज ने बताया कि अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला मणिरामदास छावनी सदियों से खेली जाती है इसकी खास बातें है कि सारे पत्र अयोध्या में पले बढ़े हैं और अयोध्या से ही राम के चरित्र का गुणगान करने के लिए देश–विदेश में रामलीला करते हैं। प्राचीनता के साथ–साथ मणिराम दास की रामलीला अपनी इतिहास को बचा के रखती है एक फिल्मी दुनिया की रामलीला हो रही है जिसमें सभी पात्र बाहर के राम के चरित्र को नहीं जानते फिर भी रामलीला जैसे तैसे कर रहे हैं। अपने इतिहास को समय दीजिए अवधी भाषा में की जा रही यह रामलीला सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है सभी अतिथियों का स्वागत व्यवस्थापक महंत विमल कृष्ण दास ने किया।

नवरात्र शक्ति के सम्मान का पर्व –विधायक

संवाददाता–देवरिया। कपरवार स्थित कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में बने नव निर्मित शहीद भगत सिंह लर्निंग लैब का लोकार्पण शुक्रवार को विधायक दीपक मिश्र शाका ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। उन्होंने कन्या पूजन भी किया। विधायक ने कहा कि नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में नारी सदा से पूजनीय रही है। नवरात्र शक्ति की आराधना का पर्व है। इसके पूर्व कलश पर दीप प्रज्ज्वलित कर मां भगवती के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं का पूजन किया और प्रसाद ग्रहण कराकर कन्याओं को दक्षिणा दी। इस दौरान बीडीओ तारकेश्वर नाथ तिवारी, सीडीपीओ सुषमा दुबे, रमेश कुशवाहा, बिन्दु दुबे, विमला मिश्रा, रेनू सैनी,पूनम, कौशल्या देवी, शकुंतला देवी, लक्ष्मी , रामा तिवारी आदि उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने सौ प्रतिशत शाकाहारी स्टोर का किए उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में मां सरयू के पावन तट पर चौधरी चरण सिंह घाट पर सौ प्रतिशत शुद्ध शाकाहारी बीकानेरवाला स्टोर का उद्घाटन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय राय ने किया।बीकानेरवाला फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुरेश गोयल ने भव्य उद्घाटन पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हम राम की भूमि अयोध्या में नए आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए रोमांचित है और हमारे नए आउटलेट का उद्घाटन हमारे स्वादिष्ट उत्पादों तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम अपने सम्मानित संरक्षकों को एक बेहतरीन उत्पाद से परिचित कराने के लिए उत्साहित हैं।बीकानेरवाला, आज भारतीय मिठाइयों और स्नैक्स का पर्याय बन चुका है, इसकी शुरुआत 1905 में हुई थी। इसकी शुरुआत श्री लाल चंद अग्रवाल द्वारा बीकानेर के पुराने शहर के कोट गेट इलाके में एक छोटी सी मिठाई की दुकान – बीकानेर नमकीन भंडार के रूप में की गई थी। दुकान ने शुरुआत में बीकानेरियों के स्वाद के हिसाब से कुछ मिठाइयाँ और नमकीन बेचीं। वहाँ इसे स्वीकृति मिली और दुकान फलने–फूलने लगी। द मोंटाना ग्रुप संस्थापक ने कहा हमारा उद्देश्य एक अद्वितीय पेशकश करना है। उद्घाटन सत्र में अयोध्या कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम विजय चंद्र, एडीएम अश्वनी पांडे, एस पी राजकरण नय्यर, नगर आयुक्त संतोष शर्मा, सचिव एडीएम सत्येंद्र सिंह सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

समर्थ होगा वह समाज जहां नारी का होगा सम्मान -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन के दौरान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और विधि–विधान से उनका पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर, माला पहनाई और उन्हें आशीर्वाद दिया। साथ ही, बटुक पूजन भी किया गया। पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने कन्याओं को मंदिर में बना ताजा भोजन परोसा और दक्षिणा व उपहार प्रदान किए। इस दौरान अन्य बालिकाओं और बटुकों को भी भोजन और उपहार दिए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस स्नेह और सत्कार से बच्चों में खासा उत्साह दिखा। कार्यक्रम में मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महामंडलेश्वर संतोष दास और अन्य लोग उपस्थित रहे।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मातृ शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और उन्हें समाज मे शक्ति स्वरूप में प्रतिष्ठित करने की पहल को एक बार फिर मजबूत करते दिखे। शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि शारदीय नवरात्र नारी गरिमा की प्रतिष्ठा का पर्व है और जिस समाज में नारी की पूजा होती है तथा सम्मान दिया जाता है वह समाज स्वयं ही समर्थ और शक्तिमान होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश–दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा, उल्लास व उमंग से जुड़ते हैं। सनातन धर्म की पर्व और त्योहार से जुड़ी समृद्ध परंपरा सबका ध्यान आकर्षित करती है। आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र का पर्व शक्ति की आराधना के साथ आधी आबादी के सम्मान का भी प्रतीक पर्व है। भारतीय मनीषा ने प्राचीनकाल से ही 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः' अर्थात जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है वहां दैवीय शक्तियों का वास होता है की मान्यता और इसके भाव को अंगीकार किया है। नवरात्र में जगतजननी भगवती मां दुर्गा के पावन नौ स्वरूपों की आराधना सनातन धर्म की उदात्त और पवित्र परंपरा का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई प्रेरणा देने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा के साथ पूरे समाज की सुरक्षा जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि जब हम आधी आबादी को सामर्थ्यवान बनाकर उनकी गरिमा और सम्मान की सुरक्षा करेंगे तो प्रदेश और देश सभी नागरिकों के जीवन मे खुशहाली लाने के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां जगतजननी की नौ तिथियों में पूजन के बाद कल शनिवार को विजयादशमी का पावन पर्व है। विजयादशमी भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने के उल्लास का पर्व है। इसमें यह संदेश भी निहित है कि जहां शक्ति की साधना होगी तो वहां सिद्धि के रूप में विजयश्री का वरण अवश्य होगा। सीएम योगी ने कहा कि विजयादशमी त्रेतायुग के बलशाली राजा, अधर्म, अत्याचार और अन्याय के प्रतीक रावण पर प्रभु श्रीराम के विजय का उत्सव है। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए सनातन धर्मावलंबी रामलीलाओं के माध्यम से श्रीराम के राज्याभिषेक के कार्यक्रम से जुड़ेगा। इस अवसर पर अन्याय के प्रतीक रावण के पुतला दहन की परंपरा भी देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के पावन पर्व पर सभी लोगों के मंगलमय जीवन की कामना की।

शादी के बाद बेटी की हरकत से खौल उठा पिता का खून, प्रेमी का अपहरण करवाकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता–गोरखपुर। एक पिता ने अपनी बेटी के प्रेम–प्रसंग की जानकारी होने पर उसकी दूसरी जगह शादी कर दी। शादी के बाद बेटी ने जो हरकत की उसे जानकर पिता का खून खौल उठा। युवती के पिता ने उसके प्रेमी की अपहरण करके हत्या करवा दी। युवक को पहले पीट कर अगवा किया गया, इसके बाद युवक का बोलेरो सवारों ने गाड़ी में गला रेत दिया और फिर शव को फेंकने से पहले ईंट से सिर को बेरहमी से कूंचा। उरुवा के तर्वा नाले के पास झाड़ी में शव को पुलिस ने बरामद कर लिया। वहीं, युवती को भी देर रात बरामद कर लिया गया।

पुलिस ने दस नामजद व अज्ञात पर केस दर्ज कर मुख्य आरोपित सूर्यनाथ यादव, सोमनाथ यादव, अमन यादव व रामप्रवेश यादव को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल धारदार हथियार बरामद किया। बेलीपार के चंदौली बुजुर्ग गांव निवासी जहेश निषाद (24) का गांव के ही सूर्यनाथ यादव के परिवार की एक युवती से प्रेम संबंध था। युवती के घर वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो 26 फरवरी 2024 को खजनी इलाके में उसकी शादी कर दी गई। दो अगस्त को युवती लापता हो गई जिसकी गुमशुदगी खजनी थाने में दर्ज की गई। हालांकि बाद में युवती फिर लौट आई थी।

बीते पांच अगस्त को युवती अपने मायके चली आई, इसके बाद राजकोट से प्रेमी जहेश निषाद भी गांव आ गया। दोनों 22 अगस्त को घर से लापता हो गए और फिर महादेव झारखंडी मंदिर कूड़ाघाट में प्रेम विवाह कर लिया। 23 अगस्त को इस मामले में युवती के पिता ने अपहरण का केस दर्ज कराया। वहीं मंदिर में एक हजार रुपये दान की रसीद व फोटो लेकर जहेश, लड़की के साथ हाईकोर्ट चला गया। वहां पर लड़की के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी छिपाते हुए गिरफ्तारी पर स्थगन आदेश (स्टे) ले लिया, जिसकी जानकारी उसके अधिवक्ता ने पुलिस को दी थी।

बेलीपार इलाके के चंदौली बुजुर्ग गांव में जहेश निषाद और सूर्यनाथ यादव के बीच रंजिश पुरानी है। दोनों के बीच चुनाव में विरोधी प्रत्याशी के समर्थन को लेकर भी विवाद होता रहा है। लेकिन, शादी के बाद युवती को ससुराल से एक दिन के लिए भगाने और फिर मायके से अपहरण करने के बाद विवाद की खाई गहरी हो गई। इसके बाद से ही सूर्यनाथ अपने आप को अपमानित महसूस कर रहा था और उसी दिन से जहेश की तलाश में था, लेकिन वह गांव नहीं आ रहा था। मंगलवार को गांव के पास आने की जानकारी होते ही उसकी हत्या कर दी गई।

प्रधानी चुनाव के समय 13 अप्रैल 2021 को तत्कालीन प्रधान अखिलेश सिंह व दो अन्य लोगों को इसी रंजिश में गोली मारी गई थी, जिसमें से मृतक जहेश निषाद जेल भी गया था। अक्टूबर 2023 में जमानत पर छूटने के बाद गांव आया और फिर सूर्यनाथ के परिवार की एक युवती से उसका प्रेम संबंध हो गया। वह उसे लेकर फरार हो गया था, लेकिन बाद में पकड़ा गया। इसी बीच युवती की परिवार वालों ने दूसरी जगह शादी कर दी, लेकिन आरोपित युवती को ससुराल से भी लेकर फरार हो गया। इसके बाद से दोनों परिवारों में रंजिश गहरी हो गई। हालांकि, जहेश के परिवार वाले भी इस बात को समझ रहे थे और इसीलिए अक्टूबर 2023 में हत्या की कोशिश के मामले में उसकी जमानत होने के बाद उसे गुजरात के राजकोट कमाने के लिए भेज दिए थे। सीसी टीवी कैमरे से खोला केस, पकड़े गए आरोपित पुलिस को मंगलवार की शाम 7.30 बजे एक युवक को मारपीट कर बोलेरो से अपहरण करने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई और सीसीटीवी कैमरे की मदद से बोलेरो का नंबर हासिल कर लिया। नंबर से पता चल गया कि बोलेरो सूर्यनाथ यादव की है। फिर पुलिस को दूसरे सीसीटीवी कैमरे में बोलेरो बांसगांव की ओर जाती दिखी। एक टीम सूर्यनाथ के घर पहुंची तो दूसरी बांसगांव की ओर रवाना हो गई। इसी बीच महावीर छपरा के पास शव को ठिकाने लगाने के बाद लौट रहा सूर्यनाथ व उसके सहयोगी मिल गए। पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाने लाई और सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या कर शव छिपाने की बात कबूल कर ली। उसके निशानदेही पर पुलिस ने झाड़ी में छिपाए गए शव और धारदार हथियार को बरामद कर लिया।

युवती की शादी होने के बाद भी उसकी बातचीत जहेश निषाद से होती थी। राजकोट से उससे मोबाइल पर संपर्क था, इस वजह से उससे मिलने के लिए भी आया था। गांव में उसके आने की जानकारी होने के बाद ही वह राजकोट से गोरखपुर चला आया था और अपने गांव रहने लगा था। अब इसी मोबाइल फोन की मदद से युवती की तलाश में पुलिस लगी है।

बौडिहारनाथ धाम में विधि विधान से हुआ कन्याओं का पूजनः भण्डारा 12 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवरात्रि के अवसर पर गौर विकास खण्ड क्षेत्र के श्री बौडिहारनाथ धाम में प्रमुख समाज सेवी दयाशंकर पटवा द्वारा आदि शक्ति मां दुर्गा मंदिर की प्रतिमा स्थापना अवसर पर नवमी तिथि को कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन प्रसाद ग्रहण कराया गया।

समाज सेवी दयाशंकर पटवा ने बताया कि कन्या पूजन के साथ मां देवी मंदिर और दूवी प्रतिमा स्थापनाका कार्य हरि इच्छा से पूर्ण हुआ।

अयोध्या धाम से आये पुजारी श्री राम शास्त्री और उदयभान पाण्डेय ने शिष्यों के साथ विधि विधान से मां देवी प्रतिमा को स्थापना का कार्य सम्पन्न कराया। विजयादशमी पर 12 अक्टूबर शनिवार को मंदिर परिसर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से रमाकान्त पाण्डेय, राम शंकर पटवा, दिलीप पटवा, दीपक पटवा, राधा देवी, बाबा लाल मोहन दास, कृपाशंकर पटवा,, जयेश पटवा, राधेश्याम पटवा, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, सुशीला मिश्र, हनुमान प्रसाद मिश्र, शशिकान्त पाण्डेय, अनिल मिश्र, राम नरेश यादव, राम सूरत यादव, अशोक सोनी, उदयभान पाण्डेय, रामसभा पाण्डेय, रामसुन्दर यादव के साथ ही बड़ी संख्या में आस–पास के गांवों के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सपा विधायक सैयदा खातून के मंदिर परिसर में फलाहार कार्यक्रम में शामिल होने पर विवाद, वीडियो वायरल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र के गालापुर स्थित वटवासिनी महाकाली स्थान पर सपा कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित फलाहार कार्यक्रम में पार्टी विधायक सैय्यदा खातून के शामिल होने पर विवाद हो गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसको लेकर जमकर हंगामा किया। भाजपाइयों ने विधायक पर हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप भी लगाया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि, भारतीय बस्ती वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

गालापुर मंदिर परिसर में सपा कार्यकर्ताओं की ओर से गुरुवार को फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें डुमरियागंज की सपा विधायक सैयदा खातून भी शामिल हुईं और उन्होंने लोगों में फल वितरित किया। इसी बीच ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष भाजपा नेता लवकुश ओझा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता मंदिर पर पहुंचे गए। फलाहार कार्यक्रम में सपा विधायक के शामिल होने पर आपत्ति जताते हुए विरोध करने लगे। विधायक समेत सपा कार्यकर्ताओं और भाजपाइयों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

देखते ही देखते यहां हंगामा शुरू हो गया। लवकुश ओझा ने इटवा थाना प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर बिना प्रशासनिक अनुमति

फलाहार कार्यक्रम करने का आरोप लगाया। कहा कि हिंदुओं के व्रत को अशुद्ध कर उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। डुमरियागंज सपा विधायक सैय्यदा खातून ने बताया, सपा कार्यकर्ताओं द्वारा गलापुर मंदिर परिसर में विगत वर्षों की तरह इस साल भी फलाहार कार्यक्रम आयोजित किया गया था। हमें भी बुलाया गया था।

कार्यक्रम के बाद जब मैं अपने कार्यकर्ताओं के साथ बाहर निकलने लगी तो गेट के पास कुछ लोग आवाज करने लगे। पता चला कि लवकुश ओझा हैं। उन्होंने आपत्ति जताई, जिस पर हमारे समर्थकों ने भी अपने स्तर से जवाब दिया। मेरा जो काम है, मैं कर रही हूं। उन सबका यही काम ही है। डुमरियागंज एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने बताया, गालापुर मंदिर परिसर में आयोजित फलाहार कार्यक्रम के दौरान सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक का वीडियो विलप सोशल मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है। परमिशन के संबंध में थानेदार से जवाब तलब किया जाएगा।

प्रेमी के घर पहुंच कर प्रेमिका ने लगाई फांसी, हुई मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में शोहरतगढ़ के चिल्हिया थाना क्षेत्र के बुकनिहा खालसा गांव में गुरुवार रात एक किशोरी प्रेमी के घर पहुंच गई और वहां फंदे से झूल गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जा रहा है किशोरी ने प्रेमी को बुलाया था, लेकिन वह नहीं पहुंचा इसलिए वह उसके घर पहुंच कर फंदा लगाकर झूल गई। हालांकि लोग इसे हत्या भी मान रहे हैं। फिलहाल पुलिस की जांच में सब कुछ सामने आ जाएगा। क्षेत्र बुकनिहा निवासी राम केवल की 17 वर्षीय पुत्री बालकनी ने शुक्रवार सुबह भोर पड़ोस के घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बालकनी का पड़ोस के एक लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जो मुंबई में रहकर मजदूरी करता है। गुरुवार को रात में करीब 10 बजे वह लड़का घर आया। किशोरी उससे मिलने के लिए रात में ही उसके घर चली गई। जब लड़का नहीं मिला तो उसके घर पर हल्ला कर बवाल मचाने लगी। मौका देख घर के कमरे में घुस गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। उसी कमरे में दो वर्ष की बच्ची भी सोई थी। स्वजनों ने देखा तो दरवाजा अंदर से बंद हैं तो सब लोगों को बुलाने लगे। किशोरी अंदर से उस लड़के को बुलाने की बात कह रही थी। काफी बुलाने के बाद कोई आवाज नहीं आई। हल्ला सुन किशोरी के मां–बाप भी आ गए। हल्ला सुनकर तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ देर बाद कमरे के अंदर से कोई आवाज नही आई। दो वर्ष की मासूम की रोने की आवाज आ रही थी। दरवाजा तोड़ने पर अंदर कुंडी में दुपट्टा से लटकता हुआ उसका शव देख सभी दंग रह गए। सूचना पुलिस को दिया गया। जो मौके पर पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हैं।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय उपाध्याय का निधन

संवाददाता–गोरखपुर। व्यापारियों के सबसे प्रमुख संगठन केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय उपाध्याय का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा था।

वह पेट की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर सुनने के बाद दवा व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई है। शुक्रवार को थोक दवा मंडी भालोटिया मार्केट को बंद करने का फैसला किया गया है। संगठन के महामंत्री दिलीप सिंह ने इसकी तस्दीक की।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से संजय उपाध्याय पेट की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके पेट में संक्रमण हो गया था। परिजनों ने उन्हें पहले गोरखपुर और फिर लखनऊ के मेदांता में भर्ती कराया। जहां शुक्रवार की तड़के उनका इलाज के दौरान निधन हो गया है। संजय उपाध्याय की पहचान स्पष्टवादी दवा व्यापारी नेता के तौर पर रही। वह पिछले दो दशक से दवा व्यापार से जुड़े थे। दवा व्यापारियों की आवाज को स्थानीय प्रशासन से लेकर शासन तक बुलंद करते रहे। महामंत्री दिलीप सिंह ने बताया कि शुक्रवार की शाम को राजघाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। उनके निधन की सूचना पर दवा व्यापारियों के दूसरे संगठनों ने भी शोक व्यक्त किया है। दवा की दुकानों को बंद रखने का फैसला किया है।

रेस्क्यू ऑपरेशन कर पीएसी जवानों ने बचाई बुजुर्ग की जान

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट पर राप्ती नदी में नहाने के दौरान एक बुजुर्ग डूबने लगे। बाढ़ राहत के लिए नदी के लगाई गई पीएसी में तैनात मुख्य आरक्षी ने बुजुर्ग को डूबता देख अपने साथियों के साथ मिलकर नदी में छलांग लगाकर उनकी जान बचाई। बुजुर्ग की पहचान गीडा थाना क्षेत्र के बहरामपुर निवासी शंकर गुप्ता के रूप में हुई। बुजुर्ग की जान बचाने पर कर्मियों की आम जन ने प्रसंशा की। सेना नायक आनन्द कुमार ने कर्मियों से मिलकर उन्हें बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे साहसी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। यहां बता दें कि 26वीं वाहिनी पीएसी बी दल (बाढ़ राहत दल) के अलग–अलग प्लाटून गोरखपुर मंडल के विभिन्न बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में नदियों के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए ड्यूटी में तैनात है। शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान मुख्य आरक्षी सत्य नारायण पाल ने एक बुजुर्ग को राप्ती नदी रामघाट नौसढ़ में डूबता देखा तत्काल बचाव अभियान चलाते हुए उक्त मुख्य आरक्षी सत्य नारायण पाल व सच्चिदानंद यादव द्वारा जान दांव पर लगाकर नदी में छलांग दी और डूबते हुए बुजुर्ग को बचा लिया। प्राथमिक उपचार के बाद परिवार को सुपुर्द कर दिया। फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं।

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
वाद संख्या 181/2022
न्यायालय–सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
उर्मिला
बनाम
सरकार
1. उर्मिला देवी पत्नी रामबेलास ग्राम करमा तप्पा सगरा तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 05–11–2024

अपने उर्मिला देवी मृतक रामबेलास को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि उर्मिला देवी ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 11 के 05 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज स्थान जू0डि0 बांसी में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 09 के 24 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2024
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
नियाज अहमद आदि
बनाम
मो0 सफात आदि
1. मो0 सफात पुत्र सूबेदार 2. अब्दुल सलाम 3. गुफरान 4. उबैदुर्रहमान 5. इमरान पुत्रगण मो0 सफात 6. हफीजुर्रहमान पुत्र सूबेदार साकिन पिपरापड़रूपुर तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 7. ग्राम पंचायत पिपरापड़रूपुर तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 8. उ0प्र0 सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 10 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 203/2024
जगदीश–सायलान
1 जगदीश आयु लगभग 48 वर्ष पुत्र स्व0 रामकेवल 2. रामजीत आयु लगभग 43 वर्ष पुत्र स्व0 रामकेवल सभी निवासी ग्राम भौसिंहपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. सुशीला देवी आयु लगभग 34 वर्ष पुत्री स्व0 रामकेवल पत्नी श्री शिवशंकर निवासी ग्राम बेमहरी तप्पा परवरपारा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रहह समायत अपील
प्रकीर्णवाद सं0– 43/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला बस्ती
भद्दन उर्फ मदन
बनाम
मेवालाल
1. मेवालाल पुत्र गनेशी ग्राम धौरहरा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–11–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 11 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 11 माह 10 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 68/2022
त्रिवेनी
बनाम
रामदीन आदि
बनाम–1–रामदीन पुत्र राम बहाल साकिन गंगौरा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–11–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 11 के 14 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के 10 माह 11 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी संजय कुमार चौधरी पुत्र श्री राम किशोर चौधरी मोहल्ला–गांवगोड़िया जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे माध्यमिक शिक्षा उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2004** अनुक्रमांक **1969070** एवं इण्टर मीडिएट वर्ष **2006** अनुक्रमांक **1268923** के अंकपत्र एवं मूल प्रमाण पत्र में मेरा नाम **SANJAY KUMAR CHAUDHARY** के स्थान पर **SANJAI KUMAR CHAUDHARY** हो गया है जो गलत है। उसे SANJAY KUMAR CHAUDHARY कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com